दो चार साँसे बाकी रहे तो

दो चार साँसे बाकी रहे तो,
इतना सा मेरा इंतजाम करना,
तस्वीर जो तेरी रखी जो घर में भूलू न उसको परनाम करना,
दो चार साँसे....

एहसान तेरा कैसे चुकाऊ बस जाते जाते सिर को झुकाउ,
हे श्याम सूंदर लाखो किये है इतना सा इक और एहसान करना,
दो चार साँसे बाकी रहे तो...

मिल न सका मैं तुमसे कन्हियाँ,
फिर इसका मुझको गम न रहेगा,
मुझको कन्हियाँ अपना समज कर अगले जन्म में पहचान रखना,
दो चार साँसे बाकी रहे तो.....

चाहे न देना इज्जत और सोहरत दौलत कमाने की मोहलत न देना,
तस्वीर तेरी हो मेरी घर में इतना मुझे धन वान रखना,
दो चार साँसे बाकी रहे तो

जब तक न निकले ये सांस मेरी वनवारी निरखु तस्वीर तेरी,
तस्वीर सीने से कस के लगा लू हाथो में बस इतनी सी जान रखना,
दो चार साँसे बाकी रहे तो..

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5944/title/do-char-sanse-baki-rahe-to-itna-sa-mera-intzaam-karna-tasveer-jo-teri-rakhi-jo-ghar-me-bhulu-na-usko

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |